Regarding need to impart technical and vocational education in local/regional languages of the states-laid

श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया **(**भीलवाड़ा**):** तकनीकी शिक्षा एक विशिष्ट प्रकार का शिक्षा रुप है जिनका व्यक्ति और समाज के साथ अभिन्न समन्वय है। जो शिक्षा विशेष व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, तकनीकी शिक्षा किसी देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मनुष्य रोटी के बिना नहीं रह सकता, रोटी कपड़ा और मकान अनिवार्य है। इसके लिए मनुष्य को कार्य करना ही पड़ता है। किन्तु बिना समुचित प्रशिक्षण के यह कार्य कठिन है। सिर्फ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा ही हमें विशेषज्ञ इंजीनियर और तकनीशियन देती है। हमारे देश में बड़ी मात्रा में इनकी आवश्यकता है। वर्तमान में देश में तकनीकी शिक्षा अंग्रेजी माध्यम से ही दी जाती है जिससे ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने में काफी परेशानी आती है।

अतः सरकार से मेरा आग्रह है कि सभी प्रकार की तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा को हिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी भाषा एवं अन्य राज्यों में स्थानीय भाषा में भी पढ़ाया जाये ताकि ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा मिलेगी और बेरोजगारी में कमी आयेगी साथ ही मेरा यह भी निवेदन है कि व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा को शिक्षण में प्राथमिक स्तर के साथ ही प्रारम्भिक रूप से लागू किया जाए जिससे छात्र स्वरोजगार हेतु आत्मनिर्भर हो सकें।